वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

□□.□. हिंदी -- Revised

सेमेस्टर - III

(2017-2018 के शैक्षिक वर्ष के लिए)

प्रश्नपत्र -11 □□□□ -विज्ञान Core Course-11

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

□□□□-1.

□□□□ □□ □□□□ -विज्ञान -भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण,भाषा-व्यवस्था और भाषा-व्यवहार, □□□□-□□□□□ □□ □□□□□ -प्रकार्य. भ□□□- विज्ञान-स्वरूप एवम् व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

□□□□-2.

स्वनप्रक्रिया - स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वागवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण,स्वनिक परिवर्तन, स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिम विश्लेषण।

□□□□-3.

व्याकरण- रूपप्रकिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद-मुक्त-आबद्ध, अर्थदर्शी और संबंधदर्शी, संबंधदर्शी रूपिम के भेद और प्रकार्य. वाक्य की अवधारणा, अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, वाक्य के भेद, वाक्य-विश्लेषण, निकटस्थ-अवयव विश्लेषण, ग□□-संरचना और बाह्य-र□□□□□

□□□□-4.

अर्थविज्ञान -अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायिता, अनेकार्थता, □□□□□□□, अर्थ-परिवर्तन, साहित्य और भाषा -विज्ञान -साहित्य के अध्ययन में □□□□-विज्ञान के अंगों की उपयोगिता।

□□ □□□□□□□

प्रश्न 1. पठित ई□□□ से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3. □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) औ□ (□)(07 x 2 = 14 □□)

सन्दर्भ पुस्तकें :

1. □□□□-विज्ञान-डॉ.□□□□□□□ □□□□□□ (किताब महल, इ□□□□□□□)
2. □□□□-विज्ञान की भूमिका-देवेन्द्रनाथ शर्मा (राधाकृष्ण प्रकाशन)
3. □□□□-विज्ञान-श्यामसुंदर दास (अनु प्रकाशन, □□□□)
4. सामान्य भाषा-विज्ञान-डॉ.बाबूराम सक्सेना (हिंदी साहित्य सम्मेलन,प्रयाग)
5. □□□□-विज्ञान एवम् भाषा-शास्त्र-□.कपिलदेव द्विवेदी (विश्वविद्यालय प्रकाशन, व□□□□□)
6. □□□□-विज्ञान-सैद्धांतिक चितन- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
7. □□□□□□□□ □□□□- विज्ञान-डॉ.कविता रस्तोगी (सुलभ प्रकाशन, □□□□)
8. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा का स्वरूप विकास-डॉ.देवेन्द्रप्रसाद सिंह (जयभारती प्रकाशन, इ□□□□□□□)

==

प्रश्नपत्र – 12. हिंदी साहित्य का इतिहास Core Course-12

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

□□□□- 1.

हिंदी साहित्य-आदिकाल की पृष्ठभूमि,सिद्ध और नाथ साहित्य,रासो-काव्य,□□-साहित्य।
हिंदी साहित्य के आदिकाल का ऐतिहासिक परिदृश्य, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, काव्य-धा□□□,□
गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।

□□□□- 2.

भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक-चेतना एवम् भक्ति-□□□□□, विभिन्न काव्य-धा□□□□
तथा उनका वैशिष्ट्य, प्रमुख निर्गुण संत कवि और उनका अवदान।
भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्य-ग्रंथ,सूफी काव्य में
भारतीय संस्कृति एवम् लोक-जीवन के तत्व।
राम और कृष्ण-काव्य,□□□-कृष्ण-काव्येतर काव्य,भक्तितर काव्य, प्रमुख कवि और
उनका रचनागत वैशिष्ट्य.भक्तिकालीन गद्य-साहित्य।

□□□□- 3.

□□□□□□-दर्शन और साहित्येतिहास, हिंदी साहित्य के इतिहास की लेखन परंपरा,
□□□□□□ सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।
हिंदी साहित्य का इतिहास- काल-□□□□□□,□□□□-निर्धारण और नामकरण।

□□□□- 4.

उत्तर मध्यकाल (□□□□□□)की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल-□□□□ □□ □□□□□□, दरबारी संस्कृति और
लक्षण-ग्रंथों की परंपरा, रीति कालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ (रीतिबद्ध,रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त),
प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ, प्रतिनिधि रचनाकार और रचनाएँ, रीतिकालीन गद्य साहित्य।

□□ □□□□□□□

प्रश्न 1. पठित ई□□□ 1 □□ 2 से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है)□(05 x 2 = 10 □□)

प्र॰ 2 □□ 3. □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्र॰ 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) औ□ (□) (07 x 2 = 14 □□)

संदर्भ पुस्तकें-

1. हिंदी साहित्य का आदिकाल-डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी (वाणी प्रकाशन,इ□□□□□□□□)
2. हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग-डॉ.नामवर □□□
3. हिंदी साहित्य का अतीत-भाग-□-□-आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
4. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास-डॉ.बच्चन सिह
5. हिंदी साहित्य का इतिहास-आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा, वार□□□□)
6. हिंदी साहित्य का इतिहास डॉ.नगेन्द्र (नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली)
7. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ.नामवर सिंह (लोकभारती प्रकाशन,इ□□□□□□□□)
8. हिंदी साहित्य-उद्भव और विकास-डॉ. □□□री प्रसाद द्विवेदी (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
9. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डॉ.रामकुमार वर्मा (लोकभारती प्रकाशन,इ□□□□□□□□)
10. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ.जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल (विनोद पुस्तक मंदिर, आगर□)
11. हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय (लोकभारती प्रकाशन,इ□□□□□□□□)
12. हिंदी का गद्य-साहित्य-डॉ. रामचंद्र तिवारी
13. हिंदी गद्य का विकास-डॉ.प्रसाद
14. दक्खिनी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डॉ.इकबाल □□□□ (लोकभारती प्रकाशन,इ□□□□□□□□)
15. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-प्रो.एहतेशाम हुसैन

==

प्रश्नपत्र -13. भारतीय साहित्य - गं□□□, □□□□□ : Core Course-13

पाठ्य पुस्तक :

1. □□□□-□□.□□.भैरप्पा □□□□.□□.□□□□□□ (कन्नड़ उपन्यास)
   प्रकाशक-शब्दकार, 2203, □□□ □□□□□□, तुर्कमान गेट, दिल्ली-6
2. □□□□□- बंकिमचंद्र (बंगाली उपन्यास) राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

□□□□- 1. □□□□- □□.□□.भैरप्पा :

भैरप्पा - व्यक्तित्व और कृतित्व, 'गोधूलि': एक भारतीय उपन्यास, 'गं□□□' का केन्द्रीय विषय, '□□□□' के पात्र, '□□□□' में भैरप्पा की विचारधारा, 'गोधूलि' में संवाद-यो□□□, □□□□□□□, शीर्षक और उद्देश्य।

□□□□ 2. □□□□□- बंकिमचंद्र :

बंकिमचंद्र- औपन्यासिक यात्रा का परिचय, '□□□□□' का मूल प्रतिपाद्य, '□□□□□' में अभिव्यक्त क्रांतिकारी विचारधारा, 'आनंदमठ' में अभिव्यक्त संव्यासी आंदोलन □□ □□□□ □□ □□□□, '□□□□□' की पात्र-सृष्टि, '□□□□□' राजनीतिक उपन्यास के रूप में, '□□□□□' में अभिव्यक्त देश-भक्ति□

□□□□- 3 . भारतीय साहित्य :

भारतीय साहित्य का स्वरूप, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ, भारतीयता का समाजशास्त्र।

□□□□-4. भारतीय साहित्य की समस्याएँ :

भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिब, हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।

□□□□□□□□□

प्रश्न 1. पठित पुस्तक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3. □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) औ□ (□) (07 x 2 = 14 □□)

संदर्भ पुस्तकें-

1. भारतीय साहित्य-डॉ.नगेन्द्र (प्रभात प्रकाशन, दिल्ली)
2. भारतीय साहित्य की भूमिका-डॉ.रामविलास शर्मा (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
3. भारतीय साहित्यःस्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ-के.सच्चिदानंद (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
4. भारतीय साहित्यः आशा और आस्था-डॉ.आरर□ (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
5. □□□□□□ □□□□□□-रघुवीर चौधरी एवम् राधेश्याम शर्मा (गुजरात ग्रंथ निर्माण बोर्ड, गांधीनगर)
6. भारतीय साहित्यः तुलनात्मक अध्ययन-सं.डॉ.ब्रजेश्वर वर्मा (विनोद पुस्तक मंदिर, आगर□)
7. भारतीय उपन्यास परंपरा और ग्रामकेन्द्री उपन्यास- भोलाभाई पटे□(पाश्व प्रकाशन,□□□□□□□□)
8. भारतीय साहित्य- डॉ.पाण्डेय-□□.अवस्थी (□□□ष प्रकाशन, □□□□□)
9. बंगला साहित्य का इतिहास, भारतीय साहित्य अकादमी, दिल्ली
10. □□□, साहित्य और संस्कृति-ई-एम.ए□.नम्बूदरीपाद

===

प्रश्नपत्र - 14. A. आधुनिक गद्य साहित्य : कोणार्क धरती धन न अपना : Core Course-14

पाठ्य पुस्तक : 1. कोणार्क – जगदीशचंद्र माथुर (राजपाल एन्ड संस , दिल्ली)

2. □□□□ □□ □ □□□□ – जगदीशचंद्र (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

□□□□- 1. कोणार्क – जगदीशचंद्र माथुर :

जगदीशचंद्र माथुर का सामान्य परिचय , 'कोणार्क' – वस्तु विन्यास, 'कोणार्क' में इतिहास और कल्पना, 'कोणार्क' का तात्विक विश्लेषण, रंगमं□□□□ □□ 'कोणार्क' |

□□□□- 2. □□□□ □□ □ □□□□ – जगदीशचंद्र :

जगदीशचंद्र का साहित्यिक परिचय, आंचलि□□□ □□ '□□□□ □□ □ □□□□',
'□□□□ □□ □ □□□□' की □□□ □□□□□ , '□□□□ □□ □ □□□□' पात्र सृष्टि,
'□□□□ □□ □ □□□□' में हरिजन समस्या, 'धरती □□ □ □□□□' में अभिव्यक्त जन – चे□□□ ,
'□□□□ □□ □ □□□□' औपन्यसिक शिल्प |

□□□□- 3 . भारतीय साहित्य :

प्रसाद युगीन नाट्य साहित्य , स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक – नया □□□□ |

□□□□- 4. भारतीय साहित्य की समस्याएँ :

आँचलिक उपन्यास उदभव और विकास तथा विशेषताएँ |

□□ □□□□□□□

प्रश्न 1. पठित पुस्तक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3. □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (□) (07 x 2 = 14 □□)

संदर्भ पुस्तकें-

1. हिंदी के आँचलिक उपन्यास-संपा.□□.रामदरश मिश्र (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
2. दूसरी परंपरा की खोज-डॉ.नामवर सिंह (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
3. हिंदी के प्रतिनिधि निबंधकार-डॉ.द्वारिका प्रसाद सक्सेना (विनोद पुस्तक मंदिर, आगर□)
4. हिंदी उपन्यास-एक अंतर्यात्रा-डॉ.रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
5. व्योमकेश दरवेश-विश्वनाथ त्रिपाठी (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
6. समकालीन उपन्यासों का वैचारिक पक्ष-डॉ.अर्जुन चौहाण
7. हिन्दी उपन्यास का विकास-मधुरेश
8. हिन्दी उपन्यास : समकालीन परिदृश्य - सं□□. महीप सिंह
9. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : सं. डा. नरेन्द्र मोहन
10. साठोत्तर हिन्दी साहित्य का परिप्रेक्ष्य -सं. हिन्दी-वि□□□, □□□□□□□□, □□□

□□□□

प्रश्नपत्र - 14. B. हिंदी उपन्यास : ग□□, नदी के द्वीप : Core Course-14

पाठ्य पुस्तक : 1. □□□-**प्रेमचंद**

2. **नदी के द्वीप-अज्ञेय (पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली)**

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

□□□□-1. □□□-**प्रेमचंद:**

प्रेमचंद का साहित्यिक परिचय, '□□□': सामाजिक उपन्यास, 'गब□' □□ □□□-शिल्प।

'□□□' □पात्र, '□□□' तात्विक समीक्षा, प्रेमचंद की उपन्यास-कला।

□□□□-2. **नदी के द्वीप-अज्ञेय :**

उपन्यासकार अज्ञेय □□ साहित्यिक परिचय, 'नदी के द्वीप' एक मनोवैज्ञानिक उपन्यास।

'नदी के द्वीप': वस्तु-विन्यास, 'नदी के द्वीप': पात्र-सृष्टि।

□□□□- 3. **प्रेमचंदयुगीन हिंदी उपन्यास, 'गबन' की भ□□□-□□□, □□□□, उद्देश्य और शीर्षक।**

□□□□-4 **हिंदी के मनोवैज्ञानिक उपन्यास, 'नदी के द्वीप': भ□□□-□□□, □□□□, उद्देश्य और शीर्षक।**

□□ □□□□□□□

प्रश्न 1. पठित पुस्तक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3. □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – **एक आलोचनात्मक प्रश्न (** 13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – **एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) औ□** (□)(07 x 2 = 14 □□)

संदर्भ पुस्तकें-

1. **आज का हिंदी उपन्यास-डॉ.इंद्रनाथ मदान (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)**
2. **हिंदी उपन्यास-ए□ अंतर्यात्रा-□□.रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)**
3. **हिंदी उपन्यास-डॉ.□□□□ □□□ (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)**
4. **हिंदी उपन्यास की प्रवृतियाँ-डॉ.शशिभू□□ □□□□ (विनोद पुस्तक मंदिर, आगर□)**
5. **हिंदी उपन्यासः उपलब्धियाँ-डॉ.लक्ष्मीसागर वाष्णेय (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)**
6. **आधुनिकता और हिंदी उपन्यास-डॉ.इन्द्रनाथ मदान (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)**
7. **हिंदी उपन्यास का इतिहास-गोपाल □□□ (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)**
8. **अज्ञेयःएक अध्ययन-डॉ.□□□□□□□ □□□**
9. **प्रेमचंद-ए□ □□□□□□-□□.इन्द्रनाथ मदान**
10. **प्रेमचंदः एक अध्ययन-राजेश्वर गुरू**

==

प्रश्नपत्र – 15. □□□-साहित्य Core Course-15

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र:

□□□□-1.

□□□-संस्कृतिः अवधारणा, लोक-वार्ता और लोक-संस्कृति, ल□□-संस्कृति और साहित्य।
□□□-साहित्यः अवधारणा, संस्कृत वाङ्गमय में लोकोन्मुखता।
वर्तमान अभिजात साहित्य और लोक-साहित्य का अंतःसंबंध।
□□□-साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध।
भारत में लोक-साहित्य के अध्ययन का इतिहास।
□□□-साहित्य की अध्ययन प्रक्रिया एवम् संकलन की समस्याएँ।

□□□□-2.

□□□-साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरणः लोक-गीत, लोक-नाट्य , □□□-□□□, □□□-□□□□, □□□-नृत्य-नाट्य , □□□-□□□□□
□□□-गीतः संस्कार-गी□□, व्रत-□□□, श्रम-□□□, □□-□□□, □□□□-□□□□
□□□-नाट्यः रामलीला, □□□□□□□, कीर्तनियाँ, स्वाँग, यक्षगान, □□□□ □□□□, □□□□□□□□,
□□□, □□□, □□□□□, नौटंकी, जात्र, □□□□□□
दक्षिणी गुजरात की किसी एक बोली के लोक-साहित्य का अध्ययन।

□□□□-3.

□□□-कथाः व्रत-□□□, □□□-□□□, □□□-□□□, □□□-□□□, □□□□□-रूढियाँ अथवा अभिप्राय।
□□□-गाथाः ढोलामारू, □□□□□□ □□□□□, □□-□□□□, □□-□□□,□□□-□□□□,
□□□□□- □□□□□□, लोरिक-□□□, आल्हा-□□□□□□

□□□□-4.

□□□-संगीतः लोकवाद्य तथा विशिष्ट धूनें, लोक-□□□□ □□□-□□□□□□, □□□□□, कहावतें, प□□□□□

□□-□□□□□□-

प्रश्न 1. पठित पुस्तक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3. □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) □□ (□) (07 x 2 = 14 □□)

संदर्भ पुस्तकें-

1. □□□□ □□□□□, पहचान और प्रवाह (राधाकृष्ण प्रकाशन)
2. □□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□(राधाकृष्ण प्रकाशन)
3. □□□□□□ □□□-साहित्य- श्याम परमार (राजकमल प्रकाशन)
4. □□□ □□□□ □□ □□□-देवेन्द्र सत्यार्थी
5. □□□□□□ □□□-साहित्य का अध्ययन-डॉ.कृष्णदेव उपाध्याय
6. लोकसाहित्य की भूमिका- डॉ.कृष्णदेव उपाध्याय(साहित्य भवन, इल□□□□□□)
7. लोकजीवन और साहित्य-डॉ.रामविलास शर्मा (वनोद पुस्तक मंदिर, आ□□□)
8. □□□-साहित्य और संस्कृति-दिनेश्वर प्रसाद (जयभारती प्रकाशन, इ□□□□□□□)
9. हरियाणा प्रदेश का लोक-साहित्य-डॉ□□□□□□□ □□□□
10. □□□-साहित्यःसिद्धांत और प्रयोग-डॉ.श्रीराम शर्मा
11. □□□□□□□ □□□□□□□.□□□□□□□ □□□□□□
12. □□□-साहित्य-डॉ.इन्दु यादव, साहित्य रत्नालय, का□□□

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुर□

□□.□. हिंदी -- Revised

सेमेस्टर – IV

(2017-2018 के शैक्षिक वर्ष के लिए)

प्रश्नपत्र -16. हिंदी भाषा Core Course-16

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

□□□□-1. **हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :**
प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ-वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ, मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ- पा□□, प्राकृत-शं□□□□, अर्धमागधी, मागधी अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ, आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण।

□□□□-2. **हिंदी की उपभाषाएँ** अ□□ □□□□□□□ □□□□ :
हिंदी का भौगोलिक विस्तार-हिंदी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाडी और उनकी बोलियाँ. खडीबोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।
□□□□□□□ □□□□-विशेषताएँ और मानकीकरण।

□□□□-3. **हिंदी का भाषिक स्वरूप :**
हिंदी की स्वनिम व्यवस्था, खंड्य, खंड्येतर. हिंदी शब्द रचना- उपसर्ग, प्रत्यय, □□□□.
रूपरचना- □□□, □□□ □□ □□□□- व्यवस्था के संदर्भ में हिंदी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप. हिंदी वाक्य-□□□□- पदक्रम और अन्विति।
हिंदी के विविध रूप-संपर्क-भ□□□, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, माध्यम-□□□□, □□□□-□□□□, हिंदी की सांविधानिक स्थिति।

□□□□-4. **हिंदी कंप्यूटीकरण :**
हिंदी में कंप्यूटर सुविधाएँ- आंकडा-संसाधन और शब्द-सं□□□□, वर्तनी-शं□□□, □□□□□ □□□□□, हिंदी भाषा-शिक्षण।

□□ □□□□□□□

प्रश्न 1. पठित ई□□□ 1 □□ 2 से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3. □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्र□ 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) □□ (□)(07 x 2 = 14 □□)

संदर्भ पुस्तकें-

1. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास-डॉ.उदय□□□□□□ □□□□□□ (लोकभारती प्रकाशन, इ□□□□□□□)
2. हिंदी भाषा का इतिहास-डॉ.□□□□□□□ □□□□□□ (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
3. हिंदी भाषा और नागरी लिपि-डॉ.भोर□□□□□ □□□□□□
4. भारतीय आर्यभाषा और हिंदी-सुनीतिकुमार चाटुर्ज्या (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
5. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग-विजयकुमार मल्होत्रा
6. कंप्यूटर और हिंदी-□□.हरिमोहन
7. राजभाषा हिंदी-डॉ.कैलाशचंद्र भाटिया (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
8. राजभाषा का स्वरूप-कैलाशचंद्र भाटिया (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
9. आर्य और द्रविड भाषा-परिवारों का संबंध-डॉ.रामविलास शर्मा (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
10. हिंदी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप-अंबा प्रसाद सुमन
11. ग्रामीण हिंदी-डॉ.धीरेन्द्र वर्मा
12. पालि भाषा और साहित्य-इंद्रचंद्र शास्त्री
13. अपभ्रंश भाषा और व्याकरण-शिव□□□□ □□□□

==

प्रश्नपत्र – 17. हिंदी साहित्य का इतिहास Core Course-17

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

□□□□- 1.

हिंदी स्वच्छंदतावादी चेतना का अग्रिम-विकास, छायावादी काव्य-प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

उत्तर छायावादी काव्य की विविध प्रवृतियाँ-प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, □□ □□□□□, □□□□□, □□□□□□□□ □□□□□.प्रमुख साहित्यकार,रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

□□□□- 2.

हिंदी गद्य की प्रमुख विधाओं (कह□□□, उपन्यास, □□□□, □□□□, संस्मरण, रेखाचित्र, □□□□□, आत्मकथा,रिपोर्ताज आदि) का □□□□□□

हिंदी आलोचना का उद्भव और विकास।

□□□□- 3.

आधुनिक काल की सामाजिक,राजनीति□□, आर्थिक एवम् सांस्कृतिक पृष्ठभूमि,

□□□□□□□ □. की र□□-क्रांति और पुनर्जागरण।

भारतेन्दु-यु□-प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

द्विवेदी-यु□-प्रमुख साहित्यकार,रचनाएँ और साहित्यक विशेषताएँ

□□□□-4.

दक्खिनी हिंदी साहित्य का संक्षिप्त परिचय, उर्दू साहित्य का संक्षिप्त परिचय।

हिंदीतर क्षेत्रों तथा देशांतर में हिंदी भाषा और साहित्य।

□□ □□□□□□□

प्रश्न 1. पठित ई□□□ 1 □□ 2 से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3. □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) □□ (□)(07 x 2 = 14 □□)

संदर्भ पुस्तकें-

1. हिंदी साहित्य का इतिहास-आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा, वार□□□□)
2. हिंदी साहित्य का इतिहास डॉ.नगेन्द्र (नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली)
3. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ.नामवर सिंह (लोकभारती प्रकाशन, इ□□□□□□□)
4. हिंदी साहित्य-उद्भव और विकास-डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
5. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास-2 ड□.गणपतिचंद्र गुप्त (लोकभारती प्रकाशन, इ□□□□□□□)
6. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डॉ.रामकुमार वर्मा (लोकभारती प्रकाशन, इ□□□□□□□)
7. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ.जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल (विनोद पुस्तक मंदिर, आगर□)
8. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास-□□.बच्चन सिह (लोकभारती प्रकाशन, इ□□□□□□□)
9. हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.लक्ष्मीसागर वाष्णेय (लोकभारती प्रकाशन, इ□□□□□□□)
10. दक्खिनी हिंदी -भाषा और साहित्य-डॉ.व□.□□.मुहम्मद
11. हिंदी का गद्य-साहित्य-डॉ. रामचंद्र तिवारी
12. हिंदी गद्य का विकास-डॉ.प्रसाद
13. मोरिशस में हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास-डॉ.श्यामधर तिवारी
14. दक्खिनी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डॉ.इकबा□ □□□□ (लोकभारती प्रकाशन, इ□□□□□□□)
15. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-प्रो.एहतेशाम हुसैन (लोकभारती प्रकाशन, इ□□□□□□□)

==

प्रश्नपत्र -18. भारतीय साहित्य : मळे□□ □□□, □□□□□ : Core Course-18

पाठ्य पुस्तक :

1. □□□□ □□□ - **पन्नालाल पटेल (साहित्य अकादमी) (गुजराती उपन्यास)**
2. □□□□□-□□.□.□□□□□ **(राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली) (मराठी उपन्यास)**

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

□□□□-1. □□□□ □□□ (□□□□) **-पन्नालाल पटेल :**

पन्नालाल पटेलका व्यक्तित्व एवं कृतित्व , 'मळेल□ □□□': एक आँचलिक उपन्यास।

'□□□□ □□□' **खेती और प्रीति का उर्मिकाव्य, 'मळेला □□□' विफल प्रेम की ट्रेजिक कथा**

'□□□□ □□□': □□□□□ □□ □□□□ **पात्रों की मनःस्थिति का चित्रण।**

'□□□□ □□□ '**उपन्यास का प्रारंभ और अंत |**

□□□□-2. □□□□□- □□.□.□□□□□ :

'□□□□□' **की पात्र-सृष्टि-क□-□□□□□□, □□□,□□□□,अलका आदि, '□□□□□' में य□□□□-□□□□□ □□□□□□**

'□□□□□' **में क□-देवयानी का असफल प्रेम, 'यय□□□' में लेखक के चिंतनशील मन की व्याकुलता।**

□□□□- 3.

तुलनात्मक साहित्यः सामान्य परिचय,
गुजराती उपन्यास साहित्य में पन्नालाल पटेल का स्थान।

□□□□- 4.

'□□□□ □□□': **गौण पात्रों का चित्रण, शीर्षक, □□□□□□-□□□ □□ □□□ □□□□□□**

'□□□□□' : **का शिल्प-वि□□□, गौण पात्रों का चित्रण, देश □□□ – □□□□□□□, □□□□ □□□□□ |**

□□□ □□□□□□□

प्रश्न 1. पठित पुस्तक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3. □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – **एक आलोचनात्मक प्रश्न (13** x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – □**क टिप्पणी का प्रश्न (अ)** □□ (□) (07 x 2 = 14 □□)

संदर्भ पुस्तकें-

1. **भारतीय उपन्यास की अवधा□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□-□□.आलोक गुप्त (पार्श्व प्रकाशन,** □□□□□□□□)
2. □□□□□ □□□□□□-**रघुवीर चौधरी एवम् राधेश्याम शर्मा (गुजरात ग्रंथ निर्माण बोर्ड, गांधीनगर)**
3. **गुजराती नवलकथामां पात्र-निरूपण-र□□ □□□**
4. **तुलनात्मक अध्ययनः स्वरूप और समस्याएँ-राजमल बो□ (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)**
5. **तुलनात्मक अध्ययनः भारतीय भाषाएँ और साहित्य-राजमल बो□ (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)**
6. **तुलनात्मक साहित्य-एन.□.विश्वनाथ अय्यर (प्रभात प्रकाशन, दिल्ली)**
7. **मराठी साहित्यः परिदृष्य-चंद्रकांत बांदिवडेकर (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)**

==

प्रश्नपत्र – 19. A. आधुनिक गद्य साहित्य : धार, □□□□ □□□□ : Core Course-19

पाठ्य पुस्तक :

1. '□□□'-□□□□ (प्रकाशक-राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
2. □□□□ □□□□-आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी (प्रकाशक-□□□□□□□□ प्रकाशन, □□□□□□□□)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

□□□□-1. □□□- □□□□ :

□□□□ □□ साहित्यिक परिचय, 'धार': कथ्य-□□□□□, '□□□': केन्द्रीय विषय।

'□□□' के पात्र-□□□,□□□,फोकल आदि, □ □□□□□□ □□ '□□□'।

'□□□' में नारी संहिता के प्रति आधुनिक स्त्री का विद्रोह, 'धा□': □□□-शिल्प और भाषा।

□□□□-2. □□□□ □□□□-आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी:

'□□□□ □□□□' के आधार पर द्विवेदी जी के निबंधों की विशेषताएँ।

ललित निबंध के रूप में किसी एक निबंध विश्लेषण।

किसी निर्धारित निबंध के प्रतिपाद्य पर केन्द्रित प्रश्न।

द्विवेदीजी की निबंध-शैलीः 'अ□□□ □□□□' □□□ □□□ □□□

□□□□-3. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यासः परिवेश और प्रवृत्तियाँ:

आँचलिक उपन्यासः उद्भव और विकास तथा विशेषताएँ।

समकालीन हिंदी उपन्यास और नारी-विमर्श।

□□□□-4.

हिंदी निबंधः उद्भव और विकास, द्विवेदीजी का निबंध साहित्य तथा वर्गीकरण।

□□ □□□□□□□

प्रश्न 1. पठित पुस्तक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3. □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – □□ □□□□नात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) □□ (□) (07 x 2 = 14 □□)

संदर्भ पुस्तकें-

11. हिंदी के आँचलिक उपन्यास-संपा.डॉ□.रामदरश मिश्र (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
12. दूसरी परंपरा की खोज-डॉ.नामवर सिंह (रा□□□□□ प्रकाशन, दिल्ली)
13. हिंदी के प्रतिनिधि निबंधकार-डॉ.द्वारिका प्रसाद सक्सेना (विनोद पुस्तक मंदिर, आगर□)
14. हिंदी उपन्यास-एक अंतर्यात्रा-डॉ.रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
15. व्योमकेश दरवेश-विश्वनाथ त्रिपाठी (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
16. समकालीन उपन्यासों का वैचारिक पक्ष-डॉ.अर्जुन चौहाण
17. हिन्दी उपन्यास का विकास-मधुरेश
18. हिन्दी उपन्यास : समकालीन परिदृश्य - सं. □□. महीप सिंह
19. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : सं. डा. नरेन्द्र मोहन
20. साठोत्तर हिन्दी साहित्य का परिप्रेक्ष्य -सं. हिन्दी-विभा□, □□□□□□□□, □□□

===

□□□□

प्रश्नपत्र- 19. B. हिंदी उपन्यास : पचपन खम्भे, □□□ Core Course-19

पाठ्य पुस्तक : 1. पचपन खम्भे लाल दीवारें – उषा प्रियम्वदा (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

2. □□□□ – भीष्म साहनी (वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

□□□□- 1. पचपन खम्भे लाल दीवारें – उषा प्रियम्वदा :

उषा प्रियम्वदा का साहित्यिक परिचय , 'पचपन खम्भे लाल दीवारें' की कथानक योजना,
'पचपन खम्भे लाल दीवारें' की तात्विक समीक्षा, 'पचपन खम्भे लाल दीवारें' में नारीगत मनोमंथन,
'पचपन खम्भे लाल दीवारें' के मुख्य एवं गौण पत्रों का चरित्र – चित्रण |

□□□□- 2. □□□ – भीष्म साहनी :

भीष्म साहनी का साहित्यिक परिचय , 'तमस' की कथानक योजना, 'त□□' की तात्विक समीक्षा,
'□□□' के मुख्य एवं गौण पत्रों का चरित्र – चित्रण, '□□□' में अभिव्यक्त भारत विभाजन की त्रासदी |

□□□□- 3 .

स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास: उदभव और विकास यात्रा
'पचपन खम्भे लाल दीवारें' शीर्षक की सार्थकता ,
'पचपन खम्भे लाल दीवारें' में मनोविज्ञान ,
'पचपन खम्भे लाल दीवारें' संवा□ □□□□□ |

□□□□- 4.

स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास के प्रकार एवं विशेषताएँ |
'□□□' □□ उद्देश्य, '□□□' की भाषा शैली, '□□□' □□ □□□□□ □□□□□□□ |

□□□ □□□□□□□

प्रश्न 1. पठित पुस्तक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3. □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) □□ (□) (07 x 2 = 14 □□)

संदर्भ पुस्तकें-

1. दूसरी परंपरा की खोज-डॉ.नामवर सिंह (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
2. हिंदी उपन्यास-एक अंतर्यात्रा-डॉ.रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
3. दसवें दशक के हिंदी उपन्यासों में सांप्रदायिक सौहार्द-मंजुला राणा,वाणी प्रकाश, नईदिल्ली
4. समकालीन उपन्यासों का वैचारिक पक्ष-डॉ.अर्जुन चौहाण
5. हिन्दी उपन्यास का विकास-मधुरेश
6. हिन्दी उपन्यास : समकालीन परिदृश्य - सं. □□. महीप सिंह
7. □□□□□ हिन्दी उपन्यास : सं. डा. नरेन्द्र मोहन
8. साठोत्तर हिन्दी साहित्य का परिप्रेक्ष्य -सं. हिन्दी-विभाग, □□□□□□□□□, □□□

==

प्रश्नपत्र- 20. पत्रकारिता - प्रशिक्षण Core Course- 20

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

□□□□-1.

विश्व पत्रकारिता का उदय, भारत में पत्रकारिता का प्रारंभ।
प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तंभ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

□□□□-2.

समाचारपत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना, समाचार के विभिन्न स्रोत।
दृश्य-सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, गैफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता।
संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवम् कार्य-पद्धति, पत्रकारिता से संबंधित लेखन-संपादकीय, साक्षात्कार, □□□□ □□□□□□, अनुवर्तन (□□□□□□) आदि की प्रविधि।

□□□□-3.

इलैक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता-रेडियो, टी.वी., □□□□□□, □□□, मल्टी मीडिया और इंटरनेट की पत्रकारिता, प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रणकला, प्रूफ शोधन, ले आउट तथा पृष्ठ सज्जा।
पत्रकारिता का प्रबंधन-प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था।

□□□□-4.

मुक्त प्रेस की अवधारणा, लोक-संपर्क तथा विज्ञापन, प्रसारभारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी ।

□□ □□□□□□-

प्रश्न 1. पठित ई□□□ 1 □□ 3 से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3. □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□□□ – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) □□ (□)(07 x 2 = 14 □□)

संदर्भ-पुस्तकें-

1. हिंदी पत्रकारिता का बृहद् इतिहास-अर्जुन तिवारी (वाणी प्रकाशन)
2. हिंदी पत्रकारिताःस्वरूप और संदर्भ-विनोद गो□□□(वाणी प्रकाशन)
3. इलैक्ट्रॉनिक मीडिया-पी.के.आर्य (प्रभात प्रकाशन,नई दिल्ली)
4. फीचर लेखनःस्वरूप और शिल्प-डॉ.मनोहर प्रभाकर(राधाकृष्ण प्रकाशन)
5. □□□□□□ □□□□□-कमल दीक्षित, महेश दर्पण (राधाकृष्ण प्रकाशन)
6. □□□□□□□-□□□□□ □□□□-ब्रजमोहन गुप्त
7. दूरदर्शन की भूमिका-सुधीश □□□□□
8. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता-डॉ.हरिमोहन
9. मीडिया और साहित्य-सुधीश □□□□□
10. संपादन कला एवम् प्रूफ पठन-डॉ.हरिमोह□
11. पत्रकारिताःविविध विधाएँ-डॉ.राजकु□□□□ □□□□ (जयभारती प्रकाशन, इ□□□□□□□)
12. पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ-डॉ.भोलाना□ □□□□□□
13. पत्रकारिताः मिशन से मीडिया तक-अखिलेश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
14. आधुनिक विज्ञापन और जन संपर्क-डॉ.तारेश भाटिया
15. भारतीय इलैक्ट्रॉनिक मीडिया-देवव्रत सिंह (प्रभात प्रकाशन,नई दिल्ली)

===